मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दी सांदीपनि विद्यालय की सौगात

▸ **78 करोड़ से अधिक के लोकार्पण-भूमिपूजन, क्षेत्र के विकास के लिए की कई घोषणाएं**

खाचरौद। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नागदा से घिनौदा के रास्ते सड़क मार्ग से खाचरौद पहुंचे। 34 करोड़ की लागत से निर्मित सांदीपनी स्कूल का अवलोकन कर क्षेत्र के विभिन्न निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। पश्चात मुख्यमंत्री प्रमुख आयोजन के मंच पर पहुंचते ही क्षेत्रवासियों ने उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ इस दौरान मुख्यमंत्री ने 5 करोड़ की लागत के नवीन जनपद पंचायत भवन व 8 करोड़ की लागत के तहसील कार्यालय की आधारशिला रखते हुए कुल 78.61 करोड़ के कार्यों का लोकार्पण व भूमि पूजन किया। मुख्यमंत्री ने अपने चिर परिचित अंदाज में क्षेत्र वासियों को संबोधित करते हुए कहा कि खाचरोद चामुंडा की नगरी है। उन्होंने यहां की रेवड़ी व मिष्ठान की भी जमकर तारीफ की। वहीं उन्होंने खाचरौद की पुरानी घरों के आगे ओटलों पर बैठकर आमजन की घंटों बातचीत की परम्परा की भी तारीफ की।

इस दौरान उन्होंने कहा सांदीपनि विद्यालय पूरे देश में मप्र में बन रहे हैं। जहां शिक्षा संबंधी सभी सुविधाएं शासन मुहैया करा रहा है। इस दौरान उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि कांग्रेस के जमाने में हम पढ़ते थे तो टाटपट्टी भी नहीं मिलती थीं। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष घोषित किया गया है।

भावांतर के माध्यम से किसानों को तेरह सो करोड़ से अधिक की राशि भुगतान की गई है। उन्होंने किसानों व आमजन से खेत में मोटर पंप व घरों के लिए सौर ऊर्जा के उपयोग पर जोर दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री यादव ने क्षेत्रवासियों को विकास की कई बड़ी सौगातें दीं। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने न केवल बुनियादी ढांचे बल्कि खेल और उद्योग क्षेत्र के लिए भी महत्वपूर्ण घोषणाएं की जिससे क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने अपने अपने संबोधन में विधायक डॉ. तेज बहादुर सिंह चौहान की ओर मुखातिब होते हुए कहा कि डॉ. साहब आप तो बस क्षेत्र के विकास के लिए मांग करें उसको पूरा करने का काम हम करेंगे।

इसके पूर्व अपने संबोधन में विधायक ने किसानों व विद्यार्थियों तथा आमजन से जुड़ी समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराते हुए मांग पत्र सौंपा व क्षेत्र की जनता की ओर से विकास कार्यों पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए क्षेत्र की जनता की और से उनका स्वागत किया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथ महाराज, सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक सतीश मालवीय, पूर्व विधायक लालसिंह राणावत, जिला पंचायत अध्यक्ष, पूर्व विधायक बहादुर सिंह सहित जिला प्रशासन के आला अधिकारी व कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक भी उपस्थित रहे।

चार प्रमुख घोषणाएं की-फूड प्रोसेसिंग पार्क- क्षेत्र के किसानों और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने हेतु एक आधुनिक फूड प्रोसेसिंग पार्क का निर्माण किया जाएगा।

खेल स्टेडियम-युवाओं की प्रतिभा को निखारने के लिए सर्वसुविधायुक्त खेल स्टेडियम बनाया जाएगा।

हेलीपैड का निर्माण-आपातकालीन स्थिति और बेहतर कनेक्टिविटी के लिए क्षेत्र में नया हेलीपैड तैयार किया जाएगा।

मेट्रोपॉलिटन सिटी-मुख्यमंत्री ने क्षेत्र को मेट्रोपॉलिटन सिटी के दायरे में सम्मिलित करने की घोषणा की, जिससे शहरी विकास की योजनाओं का लाभ मिल सके।

दोस्ती निभाने विवाह समारोह में पहुंचे मुख्यमंत्री

नागदा। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को अल्प समय के लिए नागदा आऐ। मुख्यमंत्री यादव दोपहर 12.30 बजे शासकीय हेलीकॉप्टर से हवाई पट्टी पर उतरे। मुख्यमंत्री जैसे ही हेलीकॉप्टर से नीचे उतरे, सबसे पहले ग्रेसिम उद्योग के जनसंपर्क अधिकारी कमल सेठी ने उनका पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत किया। यहां पर भाजपा नेताओं ने उनकी अगवानी की। मुख्यमंत्री यादव नागदा में भाजपा जिला ग्रामीण अध्यक्ष के पुत्र रितिक के विवाह समारोह में शामिल होने के लिए आऐ थे। लगभग 45 मिनिट तक यादव विवाह समारोह में रूके रहे। इस दौरान कर्नाटक के राज्यपाल डॉ. थावरचन्द गेहलोत, राज्यसभा सदस्य उमेशनाथ, सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक डॉ. तेजबहादुरसिंह चौहान, सतीश मालवीय, शाजापुर विधायक अरुण भीमावद सहित कई नेता मौजूद थे। हवाई पट्टी पर मुख्यमंत्री की अगवानी के लिए भाजपा जिला महामंत्री राकेश यादव, डॉ. चौहान, सुल्तानसिंह शेखावत, बहादुरसिंह बोरमुण्डला, ओपी गेहलोत, सुभाष शर्मा, लखन गुर्जर, जितेन्द्र ओझा, मुकेश जैन, रूपेश गेलडा, मनीष पोरवाल, मनोज पोरवाल, गौतम लश्करी आदि ने स्वागत किया। मुख्यमंत्री हवाई पट्टी से सीधे महिदपुर रोड स्थित ज्योति श्री रिसोर्ट पहुंचे, जहां कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत सहित जिला अध्यक्ष राजेश धाकड़ ने उनकी अगवानी की। मुख्यमंत्री ने विवाह समारोह में सहभागिता करते हुए भोजन ग्रहण किया, नवविवाहित दूल्हा-दुल्हन को आशीर्वाद दिया तथा मित्र राजेश धाकड़ के परिजनों से आत्मीय भेंट की। लगभग आधा घंटे रुकने के पश्चात वे खाचरौद के लिए रवाना हुए।

एक नजर में

शासकीय महाविद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम संपन्न

माकड़ोन। शासकीय महाविद्यालय माकड़ौन में प्रभारी प्राचार्य राजेंद्र सिंह सिसोदिया की अध्यक्षता में मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गणित विभाग के प्रोफेसर डॉ. ओम प्रकाश गुप्ता थे। उन्होंने कहा मानसिक विकास के लिए ध्यान और एकाग्रता का बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान है। विशेष अतिथि रसायन विज्ञान की प्रोफेसर डॉ. रूबी पांडेय ने मानसिक स्वास्थ्य के बारे में विस्तार से बताया और अंत में डॉ. सिसोदिया ने प्रोजेक्टर के माध्यम से स्लेट बनाकर मानसिक स्वास्थ्य के बारे में विस्तार से गंभीरता पूर्वक छात्राओं को बहुत ही सुंदर और रोचक जानकारी प्रस्तुत की। संचालन निशा पाटीदार ने किया और कार्यक्रम का आभार कुसुम श्रीवास्तव ने माना। विस्तार से जानकारी मीडिया प्रभारी डॉ. नरेंद्र सरिया ने दी।

108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ में गुरूदीक्षा एवं गर्भ पूजन संस्कार आयोजित हुए

नागदा। शनिवार को यज्ञशाला में 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ सम्पन्न हुआ जिसमें शान्तिकुंज हरिद्वार से आए प्रतिनिधियों द्वारा यज्ञ शाला में लगभग 108 नए व्यक्तियों का गुरूदीक्षा संस्कार करवाया गया साथ ही 50 बहनों का गर्भपुजन संस्कार किया गया। पुजन संस्कार के पश्चात् खीर का प्रसाद सभी को वितरित किया गया। शांतिकुंज हरिद्वार वेद संस्कृति विश्वशान्ति के विषय में बताते हुए शांन्तिकुंज प्रतिनिधि ने महायज्ञ में बताते हुए कहा कि यज्ञ में अपने बच्चो को देव संस्कृति विश्व विद्यालय में पढ़ाने के लिए आग्रह किया गया। शनिवार को 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ में अतिथि के रूप में कर्नाटक राज्य के राज्यपाल थावरचंद गेहलोत द्वारा मंच पर आशीर्वचन स्वरूप बताते हुए कहा कि मैं भी गायत्री परिवार शान्तिकुंज हरिद्वार से बहुत प्रभावित हूं और गायत्री परिवार से जुडा हूं। अगर जब भी मेरी आवश्यकता लगेगी मैं तत्पर रहूंगा। यज्ञशाला मंच पर पहुंचने पर गायत्री परिवार नागदा के कार्यकर्ता एवं प्रतिनिधि के रूप में शीला ओझा द्वारा गायत्री मां को दुपट्टे तथा तिलक लगाकर अतिथि सत्कार किया गया। सायं 4 बजे से 7 बजे तक प्रवचन का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिसमें टोली नायक के द्वारा दुर्गानवमी की गतिविधियों तथा नारी शक्ति से विषय को आगे बढाते हुए उद्बोधन दिया गया। रविवार को प्रात: 8 से 12 बजे कि यज्ञ का आयोजन रहेगा तथा सायं 4 से दीप महायज्ञ एवं प्रवचन का कार्यक्रम रहेगा। जिसमें नागदा व आसपास ग्रामीण क्षेत्रो के भाई बहिनों से शामिल होने का अनुरोध किया है।

उपाध्यायश्री का मंगल प्रवेश आज

नागदा जं। खतरगच्छ सम्प्रदाय के उपाध्यायश्री महेन्द्रसागरजी मसा, मनीषसागरजी मसा आदि ढाणा - 20 का मंगलप्रवेश आज सुबह 9 बजे जवाहर मार्ग स्थित शांतिनाथ राजेन्द्रसूरी जैन ज्ञान मंदिर से होगा। मंगल प्रवेश का चल समारोह नगर के प्रमुख मार्ग से होता हुआ लक्ष्मीबाई मार्ग स्थित पाठशाला भवन में धर्मसभा के रूप में परिवर्तित होगा। धर्मसभा के दौरान श्रीसंघ के पदाधिकारी उपाध्यायश्री का कांबली अपर्ण कर अभिनंदन करेगे। मीडिया प्रभारी डॉ. विपिन वागरेचा ने बताया कि उपाध्यायश्री रायपुर छत्तीसगढ़ से चातुर्मास आराधना को पूर्ण 7 मार्च को राजस्थान के जैसलमेर में आयोजित होने वाले चादर महोत्सव में निश्रा प्रदान करने के लिए सतत् विहार करते हुए अल्प समय के लिए नगर में पधार रहे है। 7 मार्च को जैसलमेर में आयोजित चादर महोत्सव में उपाध्यायश्री महेन्द्रसागरजी मसा को आचार्य पदवी प्रदान की जाएगी। श्रीसंघ अध्यक्ष मनीष सालेचाव्होरा, सचिव हर्षित नागदा, कोषाध्यक्ष मनोज वागरेचा श्रीसंघ पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल औरा, सुनील कोठारी, सुनील वागरेचा, हेमंत कांकरिया, विरेन्द्र सकलेचा, राजेश धाकड़, अभय चौपड़ा, ब्रजेश बोहरा, सुरेन्द्र कांकरिया, विजय तांतेड़, राहुल चौरडिया, यशवंत वागरेचा आदि उपाध्यायश्री के नगर आगमन पर आयोजित चल समारोह को सफल बनाने की अपील की।

संकत ट्रॉफी 2026 टेनिस बाल क्रिकेट टूर्नामेन्ट का आज से आगाज, 48 टीमें ले रही हैं हिस्सा

नागदा। आल इंडिया टेनिस बॉल संकत ट्राफी 2026 का आगाज रविवार को स्थानीय कृष्णा जिनिंग परिसर के मैदान में हो रहा है। टूर्नामेंट संयोजक आकाश संकत ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी संकत ट्राफी 2026 टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन ऑल इंडिया स्तर पर कृष्णा जिनिंग परिसर नागदा में 4 जनवरी से 11 जनवरी तक आयोजित किया जा रहा है। जिसमें मुम्बई, दिल्ली, राजस्थान, गुजरात, छत्तीसगढ़ सहित अन्य कई राज्यों से तथा ग्रामीण क्षेत्रो की टीमें भी टूर्नामेन्ट में भाग लेगी। टूर्नामेन्ट में शहरी क्षेत्रो की 16 टीमे एवं ग्रामीण क्षेत्रों की 32 टीमे भाग लेंगी। प्रतियोगिता में शहरी प्रथम पुरूस्कार राशि 1,51,000 रूपए तथा द्वितीय पुरस्कार राशि 71,000 रूपए है तथा ग्रामीण प्रथम पुरस्कार राशि 71,000 रूपए तथा द्वितीय पुरस्कार राशि 35,000 रूपए है जो टूर्नामेन्ट के विजेता एवं उपविजेता को प्रदान की जाएगी। टुर्नामेंट संयोजक आकाश संकत एवं समिति के सदस्यों ने नगर के खेलप्रेमियों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में आकर क्रिकेट का आनंद उठाए एवं आयोजन को सफल बनाए।

लायंस क्लब नागदा द्वारा रेलवे स्टेशन परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन

नागदा। लायंस क्लब नागदा द्वारा सामाजिक सेवा के अंतर्गत नागदा रेलवे स्टेशन परिसर में रेलवे स्टेशन प्रबंधन के सहयोग से एक मेगा रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन लायंस क्लब नागदा के अध्यक्ष एन.के. मिश्रा एवं स्टेशन प्रबंधक मुंशीलाल मीणा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अंकिता मेहता सीनियर डीएमओ एवं वीरेंद्र मालपानी जोन चेयरपर्सन उपस्थित रहे। अतिथियों ने रक्तदान को जीवनदान बताते हुए समाज के सभी वर्गों से इस महादान में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। रक्त संग्रह की व्यवस्था सिविल हॉस्पिटल उज्जैन ब्लड बैंक द्वारा की गई। इस अवसर पर ब्लड बैंक अधिकारी डॉ. संगीता गुप्ता अपनी पूरी टीम के साथ उपस्थित रहे। शिविर में विशेष रूप से किन्नर समाज की प्रमुख संतोष किन्नर अपने साथियों के साथ रक्तदान हेतु पहुंचीं। वे अपने गुरु स्व. मीणा किन्नर की स्मृति में श्रद्धांजलि स्वरूप रक्तदान करना चाहती थीं, किंतु चिकित्सकीय कारणों से रक्तदान नहीं कर सकीं। जाते समय उन्होंने लायंस क्लब के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे अपने समुह के माध्यम से समाज में आगे रहकर रक्तदान हेतु जागरूकता एवं प्रचार-प्रसार करेंगी।

इस अवसर पर लायंस क्लब के सदस्य गोविंद मोहता, गुलजारी लाल त्रिवेदी, वीरेंद्र कटिहार, राजेश इंद्र, सुनील त्रिवेदी, आर. के. यादव, मनोहर पोरवाल, भैरुलाल मीणा, जगदीश अग्रवाल, इकरार खान, संदीप झा एवं युवान झा उपस्थित थे। रेलवे प्रशासन की ओर से स्टेशन प्रबंधक श्री मीणा, रामनिवास मीणा, यातायात निरीक्षक तिलक राज जाजोरिया, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक फूलचंद मीणा, आरपीएफ इंस्पेक्टर नेहा, सब-इंस्पेक्टर गौरव वर्मा, एसएसई पावर सहित अनेक अधिकारी, पदाधिकारी एवं कर्मचारी कार्यक्रम में उपस्थित थे। शिविर में कुल 32 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया। सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर हार-फूल से सम्मानित किया गया। लायंस क्लब के त्रिवेदी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह सफल आयोजन क्लब अध्यक्ष श्री मिश्रा के नेतृत्व में हुआ। कार्यक्रम के समापन पर लायंस क्लब के वरिष्ठ सदस्य गोविंद मोहता द्वारा रेलवे प्रशासन के सभी अधिकारियों, पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। वहीं स्टेशन प्रबंधक द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के सेवा कार्य नियमित रूप से आयोजित करने का आग्रह किया गया।

मालवी लोहार समाज के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन

उज्जैन। मालवी लोहार समाज जनकल्याण संगठन, जिला उज्जैन द्वारा सामाजिक एकजुटता और सूचनाओं के प्रभावी आदान-प्रदान के उद्देश्य से वर्ष 2026 के नूतन वार्षिक कैलेंडर का उज्जैन उत्तर के विधायक अनिल जैन कालूखेड़ा एवं भाजपा महामंत्री जगदीश पांचाल के करकमलों से विमोचन किया गया। यह पहल समाज को एक सूत्र में पिरोने और संगठन की गतिविधियों को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक कदम मानी जा रही है।

कैलेंडर में मालवी लोहार समाज की ऐतिहासिक सांस्कृतिक धरोहर चारभुजानाथ मंदिर रामपुरा, श्री विश्वकर्मा मंदिर व धर्मशाला धार, श्री रूपनारायणजी मंदिर उदयपुर व श्री राममंदिर दुधालिया का छायाचित्र पार्श्व में संयोजन किया गया है। जिससे कि समाज को उनकी जानकारी, संरक्षण संवर्धन एवं नवसृजन तथा एकता की भावना बलवती होकर सामाजिक समरसता बढ़ती रहे। विमोचन के अवसर पर संगठन के अध्यक्ष सुभाष सिसोदिया ने कैलेंडर को समाज के गौरव एवं प्रगति का आईना बताते हुए कहा कि यह कैलेंडर मात्र तिथियों का विवरण नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज की सक्रियता और हमारी संगठनात्मक शक्ति का प्रतीक है। आगामी समय मे कार्यक्रमों और महत्वपूर्ण गतिविधियों की जानकारी भी इसमे समाहित करने का प्रयास किया जावेगा। जिससे कि जानकारी हर घर तक सुलभ हो और समाज के हर व्यक्ति की संगठन से जुड़ाव के प्रति रूचि बढ़ सकें। इस अवसर पर समाज बंधुओं ने संगठन द्वारा किए जा रहे जनहितैषी कार्यों की प्रशंसा की। विमोचन के दौरान पदाधिकारियों ने संकल्प लिया कि वे समाज के उत्थान और अंतिम पंक्ति के व्यक्ति की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

उज्जैन नगर में विभिन्न बस्तियों में होगा विराट हिन्दू सम्मेलन

उज्जैन। हिन्दू समाज को संगठित करने, सांस्कृतिक चेतना को जागृत करने एवं सामाजिक समरसता के उद्देश्य से शहर मे बस्तीश: 4 जनवरी से 25 जनवरी में 65 हिन्दू सम्मेलन आयोजित होंगे। इसी के अंतर्गत ही 7 विभिन्न बस्तियों में 4 जनवरी रविवार को हिन्दू सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। इन सम्मेलनों में सांस्कृतिक, धार्मिक कार्यक्रमों के साथ बौद्धिक सत्र एवं सहभोज का आयोजन भी किया जाएगा।

विक्रमादित्य नगर की मतागुजरी बस्ती में आयोजित होने वाले हिन्दू सम्मेलन के नगर संयोजक श्री हरिसिंह यादव एवं बस्ती संयोजक लक्ष्मीनारायण मुंदड़ा रहेंगे। सम्राट विक्रमादित्य बस्ती फीगंज का हिन्दू सम्मेलन दुर्गा माता मंदिर, दशहरा मैदान पर आयोजित होगा। इस सम्मेलन के नगर संयोजक हंसराज रोहरा तथा बस्ती संयोजक लक्ष्मीनारायण अग्रवाल एवं साशा जैन होंगे। मोहन नगर बस्ती का हिन्दू सम्मेलन प्रात: 10.30 बजे, गोपाल परिसर के सामने, मोहन नगर में आयोजित किया जाएगा। इसके बस्ती संयोजक शेखर रसेनिया एवं नगर संयोजक डॉ. रामतीर्थ शर्मा हैं।

राजेन्द्र नगर की विवेकानंद बस्ती का हिन्दू सम्मेलन शिवांजलि गार्डन, नीलगंगा हनुमान मंदिर के सामने होगा इसके संयोजक नगर से संतोष अग्रवाल व बस्ती से डॉ. करण पाटीदार होंगे। तिलकेश्वर बस्ती हिन्दू सम्मेलन का आयोजन गुर्जर गौड़ धर्मशाला, उदयपुरा, उज्जैन में किया जाएगा। इसके संयोजक श्री संजय जी मालवीय हैं। सुदर्शन नगर हिन्दू सम्मेलन आयोजन समिति के अंतर्गत नगर संयोजक डॉ. दिवाकर पटेल के नेतृत्व में सम्मेलन आयोजित होगा। वहीं सूर्योदय बस्ती में संयोजक डॉ. आशीष शर्मा एवं सह संयोजक कुंदन मोदे इस दायित्व को संभालेंगे।

किसी भी समाज की संस्कृति का प्रमुख अंग हैं लोकगीत

▸ **लोक संगीत वास्तव में देशी या देशज संगीत होता है**

उज्जैन। सिन्धी लोक साहित्य पर मध्यप्रदेश सिन्धी साहित्य अकादमी द्वारा उज्जैन में आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन प्रदेश भर से आए सहभागियों को विषय विशेषज्ञों ने सिन्धी लोकगीत व लोक संगीत के बारे में विस्तार से समझाया। इंदौर से आई रश्मि रामानी ने बताया कि लोकगीत आम लोगों की सहज रचना होती है। इनके रचनाकार अज्ञात होते हैं। हमारे सोलह संस्कारों में से लगभग प्रत्येक संस्कार से जुड़े हुए लोकगीत आज भी उपलब्ध हैं लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ में हमने इन्हें विस्मृत कर दिया है। सिन्धी लोक संगीत के बारे में जानकारी देते हुए डॉ. जेठो लालवानी ने कहा कि लोक संगीत वास्तव में देशी या देशज संगीत होता है। लोक संगीत और लोकगीत दोनों ही किसी भी समाज की संस्कृति का मूल अंग हैं। इनके माध्यम से हम किसी भी संस्कृति के मर्म को सहज ही समझ सकते हैं। इनका क्षेत्र भी अत्यंत व्यापक होता है किन्तु यह दुख की बात है कि हमारी युवा पीढ़ी आज लोकगीतों व लोक संगीत से विमुख हो चुकी है, हमें अपनी संस्कृति को सुरक्षित बनाए रखने के लिए इन्हें सहेजना होगा और नई पीढ़ी को इसके बारे में जागरूक करना होगा। विभिन्न अवसरों पर आधुनिक गीत संगीत के स्थान पर अपने लोकगीतों व लोकसंगीत को प्राथमिकता देनी होगी।

इसके बाद सिन्धी साहित्य के मनोविज्ञान पर चर्चा का आरम्भ करते हुए इंदौर से पधारीं डॉ. नादिया मसंद ने कहा कि लोक साहित्य के जितने भी आयाम हैं उनके माध्यम से हम अपने मनोभावों को सहज ही व्यक्त करते हैं। बिना किसी दक्षता के ग्रामीण परिवेश के व्यक्ति भी अपनी मनोदशा की अभिव्यक्ति के माध्यम से कोई रचना कर सकता है, यह सकारात्मक और नकारात्मक दोनों में से किसी भी प्रकार की हो सकती है।

एक नजर ▸ **26वें अंतर्राष्ट्रीय ठहाका सम्मेलन की शुरुआत**

ठहाका सम्मेलन का पहला न्योता चिंतामन गणेश और महाकाल बाबा को दिया

उज्जैन। 26वें अंतर्राष्ट्रीय ठहाका सम्मेलन की शुरुआत धार्मिक परंपरा के अनुरूप करते हुए आयोजन का पहला औपचारिक निमंत्रण भगवान चिंतामन गणेश एवं श्री महाकालेश्वर बाबा को अर्पित किया गया तथा आयोजन की सफलता हेतु आशीर्वाद प्राप्त किया गया।

देश के सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेता एवं लीजेंड स्टैंडअप कॉमेडियन आशीष विद्यार्थी के साथ इंडियाज लाफ्टर चैंपियन के विजेता, मशहूर कॉमेडियन रजत सूद आगामी 11 जनवरी को अंतर्राष्ट्रीय ठहाका सम्मेलन में अपनी सशक्त एवं मनोरंजक प्रस्तुतियां देंगे। दोनों कलाकार इस आयोजन के मुख्य आकर्षण रहेंगे और श्रोताओं को ठहाकों से सराबोर करेंगे।

चार दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ठहाका महोत्सव का आयोजन 8 से 11 जनवरी तक कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन में किया जाएगा। महोत्सव का समापन समारोह 11 जनवरी सायं 7 बजे कालिदास अकादमी के मुक्ताकाशी रंगमंच पर भव्य रूप से आयोजित होगा।

ठहाका सम्मेलन के संस्थापक संयोजक डॉ. महेन्द्र यादव ने बताया कि आयोजन समिति द्वारा शहर में घर-घर जाकर श्रोताओं को पीले चावल देकर आमंत्रित किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग अपने परिवार के साथ इस सांस्कृतिक उत्सव में सहभागिता कर सकें। यह सम्मेलन विगत 26 वर्षों से निरंतर हास्य, साहित्य, कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित मंच के रूप में स्थापित है। महोत्सव का उद्देश्य वरिष्ठ कलाकारों के साथ-साथ नए एवं उभरते कलाकारों को भी अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना है।